वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 109 | सोमवार 12 अगस्त 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री ने आपदा प्रबंधन की समीक्षा बैठक ली

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों में त्वरित राहत पहुंचाने के दिए निर्देश

अतिवृष्टि की स्थिति का जायजा लेने के लिए प्रभारी सचिव जिलों का करें दौरा
विभागों की संयुक्त टीमें हों गठित, बचाव एवं राहत कार्य में लाएं गति

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों के संबंध में मुख्यमंत्री कार्यालय में उच्चाधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में हर संभव और त्वरित राहत पहुंचाने तथा बचाव-राहत कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आपदा प्रबंधन गतिविधियों को अधिक सक्रिय बनाने के लिए निर्देश दिए। शर्मा ने बैठक में निर्देश दिए कि प्रभारी सचिव अपने प्रभार वाले जिलों का दौरा कर अतिवृष्टि की स्थिति का जायजा लें और जिला प्रशासन के माध्यम से प्रभावित क्षेत्रों में तुरंत राहत पहुंचाएं। मुख्यमंत्री ने सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस प्रशासन की पूर्ण सतर्कता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि संबंधित विभागों की संयुक्त टीमें गठित कर तत्काल राहत कार्यों में गति लाई जाए।

बचाव व राहत कार्यों को लेकर प्रशासन अलर्ट मोड पर रहे

मुख्यमंत्री ने कहा कि बचाव व राहत कार्यों को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर रहे एवं जलभराव क्षेत्रों का दौरा कर पानी निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करें तथा प्रभावित क्षेत्रों में पानी, बिजली सहित बुनियादी सुविधाओं की शीघ्र बहाली की जाए। साथ ही उन्होंने भोजन, पेयजल, दवाइयों की तत्काल व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि मौसमी बीमारियों की रोकथाम हेतु मुस्तैदी से कार्य करें एवं आमजन में जागरूकता हेतु एडवाइजरी जारी की जाए।

क्षतिग्रस्त बांधों और नहरों की स्थिति की करें निगरानी

शर्मा ने कहा कि राज्य एवं जिला स्तरीय आपदा प्रबंधन कंट्रोल रूम की व्यवस्था को चाक-चौबंद रखा जाए। साथ ही, मौसम विभाग के आने वाले दिनों के पूर्वानुमान के आधार पर आवश्यक ऐहतियाती उपाय किए जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि क्षतिग्रस्त बांधों और नहरों की स्थिति की लगातार निगरानी की जाए। बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक यू.आर. साहू, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव आपदा प्रबंधन आनन्द कुमार, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय आलोक गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव नगरीय विकास एवं आवासन टी. रविकान्त, आयुक्त जयपुर विकास प्राधिकरण श्रीमती मंजू राजपाल, चैयरमैन डिस्कॉम्स भानू प्रकाश एटूरू सहित आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

दिनभर बारिश, 3 .92 इंच बरसा, सड़कों पर पानी भरने से आधा शहर रेंगता रहा

राजधानी में इस बार मानसून जमकर मेहरबान है। लगातार तीन दिन तक रिमझिम बरसने के बाद रविवार को मूसलाधार बारिश का दौर चला। सुबह करीब 11 बजे शुरू हुआ बारिश का दौर 4 घंटे तक बारिश हुई। इसके बाद शाम 6 बजे तेज बारिश का दौर शुरू हुआ, जो देर रात तक रुक-रुक कर चलता रहा। शहर में 98 मिलीमीटर (3.92 इंच) पानी बरसा। तेज बारिश के चलते शहरों की सड़कों और जेकेलोन अस्पताल में आईसीयू में पानी भरने से मरीजों को परेशानी हुई। मूसलाधार बारिश के चलते एमआई रोड, टोंक रोड, अम्बाबाड़ी, सीकर रोड, ढेहर के बालाजी, कालवाड़ रोड, 200 फीट अजमेर बाइपास, वैशाली नगर चूंगी, जेएलएन मार्ग त्रिमूर्ति सर्किल पर सड़कों पर 2 से 3 फीट पानी भर गया। बारिश के चलते रविवार को आधे से ज्यादा शहर जाम से जूझता रहा। कई जगह पर 2 से 3 किलोमीटर तक लंबा रहा था। क्योंकि शहर की सड़कों पर जगह पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए और कई जगह पर पानी भरा होने के कारण वाहन की गति भी कम हो गई। शहर में चयन बोर्ड और नर्सिंग की परीक्षा थी, बारिश के दौरान अभ्यर्थी सेंटरों तक पहुंचने में परेशान होते रहे। मौसम विभाग डायरेक्टर राधेश्याम शर्मा ने बताया कि वर्तमान में एक परिसंचरण तंत्र उत्तर-पूर्वी राजस्थान व आसपास के क्षेत्र के ऊपर बना हुआ है।

जग्गा की बावड़ी में मोक्ष कल्याणक मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र जग्गा की बावड़ी जैन मंदिर में तीर्थंकर पार्श्वनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाया गया। मंत्री सुनील बक्शी ने बताया कि प्रातः अभिषेक, शांतिधारा, पूजन के पश्चात निर्वाण कांड के वाचन के बाद भक्ति भाव से निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर झोटवाड़ा में श्री पार्श्वनाथ निर्वाण महोत्सव मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। 1008 श्री पार्श्वनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक पर्व पर मंदिर जी में निर्वाणोत्सव मनाया गया। अध्यक्ष धीरज सीमा पाटनी ने बताया कि अभिषेक शांतिधारा प्रातः 5.15 बजे, निर्वाण लाडू प्रातः 7:30 बजे नीचे मूल वेदी में व 7:45 बजे ऊपर की वेदी में चढ़ाया गया। श्री जी के प्रथम लड्डू चढ़ाने का सौभाग्य काला परिवार राधाकिशनपुरा वालों को मिला। लड्डू की व्यवस्था प्रबंध समिति द्वारा मंदिर जी मे की गई है । समाज के सभी सदस्यों ने भगवान 1008 श्री पार्श्वनाथ निर्वाण उत्सव मोक्ष सप्तमी पर मंदिर जी में सपरिवार उपस्थित होकर श्री जी को निर्वाण लाडू चढ़ाकर पुण्य अर्जित किया।

भगवान 1008 श्री पार्श्वनाथ निर्वाण महोत्सव

जयपुर. कासं। श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर झोटवाड़ा बालिका मंडल के द्वारा आज भगवान 1008 श्री पार्श्वनाथ निर्वाण महोत्सव रविवार दिनांक 11 अगस्त 2024 मोक्ष सप्तमी के उपलक्ष में पूजा का आयोजन किया गया। पूजा प्रातः 9:00 से हुई। उस के पश्चात मेहंदी, हाउजी एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। पश्चात विनतियों का कार्यक्रम दोपहर 2.00 बजे से धर्मशाला प्रांगण में किया गया उपरोक्त सभी कार्यक्रमों में समाज की बालिकाएं ने बढ़-चढ़के हिस्सा लिया और लगभग 45 बालिकाओं ने मोक्ष सप्तमी का उपवास रखा। उपवास रखने वाली बालिकाओं को उपहार दी जाएगी। गिफ्ट पुण्यार्जक गुलाबचंद अशोक कुमार संजय कुमार बज परिवार सलहदीपूरा वालों एवं सभी बालिकाओं का प्रातः 7:00 बजे धर्मशाला प्रांगण में सामूहिक पारणा कराया जाएगा। अध्यक्ष धीरज सीमा पाटनी ने बताया कि पारणा की संपूर्ण व्यवस्था निर्मल कुमार अमित कुमार पांड्या परिवार खोराबिसल वालो की ओर से रहेगी

जैन धर्मावलंबियों ने मनाया 23वें तीर्थंकर देवाधिदेव भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक

अजय जैन. शाबाश इंडिया

अंबाह। जैन धर्म के तेईसवें तीर्थंकर पार्श्वनाथ भगवान का निर्वाण (मोक्ष) दिवस श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर परेट चौराहे पर हर्षोल्लास एवं भक्ति भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जैन मन्दिर में प्रातः काल में कलाशाभिषेक किये गए। **निर्वाण लाडू चढ़ाकर की भक्तों ने मोक्ष की कामना:** शहर के जिनालयो में विशेष रुप से भगवान पार्श्वनाथ की पूजा अर्चना की गई और फिर भगवान का शांतिधारा और अभिषेक कर शक्कर से निर्मित निर्वाण लाडू को भक्तों द्वारा चढ़ाया गया। जैन मंदिर पर मधुर कंठ से भक्ति कर पूजा पाठ कराया गया वहीं पंडित मुकेश जैन द्वारा पूजा अभिषेक की विधि विधान पूर्वक क्रियाएं कराई गई।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप, स्वस्तिक, जयपुर के 22 सदस्यों का दल विदेश यात्रा पर रवाना

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप, स्वस्तिक, जयपुर के 22 सदस्यों का एक दल दिनांक 11अगस्त से 8 दिनो के लिए विदेश यात्रा पर रवाना हुआ। ग्रुप के अध्यक्ष सतीश बाकलीवाल एवम इस दल के सक्रिय सदस्य अजय जैन ने बताया कि दल ने इंडोनेशिया के शहर बाली एवम मलेशिया के शहर कुलालमपुर की यात्रा पर लगभग 8 दिनो के लिए आपस में सौहार्द एवम सांस्कृतिक आदान प्रदान के उद्देश्य से प्रस्थान किया। इस टूर के संयोजक विनय छाबड़ा और श्रीमती सरोज रानी जैन है। ग्रुप के अध्यक्ष सतीश बाकलीवाल ने बताया कि इस ग्रुप में जाने वाले सदस्य श्रीमती मधु बाकलीवाल, निदेशक अशोक जैन, रश्मि जैन,विनय छाबड़ा, राजकुमार जैन, स्नेहलता जैन, अजय जैन , सरोज जैन, राजेश बाकीवाला, नीता बाकीवाला, अनिल शाह, मंजू शाह, सुशील जैन, मंजू जैन, रंजू बाकलीवाल, राजकुमारी अजमेरा, रेणु लुहाड़िया,किरण जैन, सरोज रानी जैन,मीनाक्षी भारती, लीना जैन हैं।

युवाओं ने भगवान पार्श्वनाथ की सामूहिक पूजन कर चढ़ाया निर्वाण लाडू

जनकपुरी में हुई कल्याण मन्दिर स्तोत्र दीप अर्चना

जयपुर. शाबाश इंडिया

रविवार को जनकपुरी ज्योति नगर जैन मंदिर में प्रातः तीर्थंकर पार्श्वनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक पर अभिषेक , शांति धारा के बाद निर्वाण लाडू चढ़ाया गया तथा शाम को कल्याण मन्दिर स्तोत्र दीप अर्चना का कार्यक्रम भक्ति भाव के साथ आयोजित किया गया। प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि आज की विशेष शांति धारा का सुअवसर शिखर चंद जैन एवं सरदारमल काला परिवार को प्राप्त हुआ तथा निर्वाण लाडू धर्म चन्द सौगानी परिवार ने चढ़ाया। मोक्ष सप्तमी के शुभ अवसर पर सामूहिक पारिवारिक पूजन साज बाज के साथ युवाओं द्वारा अर्घ्य समर्पित करते हुए की गई। इधर निर्वाण काण्ड का वाचन कर भक्ति के साथ जयकारों के मध्य निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। बाद में कल्याण मंदिर स्तोत्र दीप अर्चना की गई जिसमे भक्त जनों ने एक एक श्लोक पर एक एक दीप मण्डल पर समर्पित किया। इसके बाद उपस्थित भक्त जनों द्वारा तीर्थंकर की आरती की गई ।

जैन सोशल ग्रुप मार्वेल्स अजमेर द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन

मुकेश करनावट ने 69वी बार रक्तदान किया

अजमेर. शाबाश इंडिया। जैन सोशल ग्रुप मार्वेल्स अजमेर द्वारा रक्तदान शिविर में पूरे सदस्यों ने अति उत्साह से रक्तदान किया। शिविर में 48 जनों ने भाग लिया जिसमे से 40 ही रक्तदान कर सके। महिला सदस्यो की हीमोग्लोबिन की वजह से, दो सदस्यों अंकित कटारिया एवम प्रदीप नाहर का नेगेटिव ग्रुप होने की वजह से, चार सदस्यो का मेडिकल अन फिट होने की वजह से ब्लड नहीं लिया गया ।लेकिन उनकी भावना रक्तदान करने की थी । शिविर सयोजक मुकेश कर्णावट ने बताया की। आज ग्रुप के इस रक्तदान शिविर में फेडरेशन की भाग दस की जोन कोऑर्डिनेटर रूपश्री जैन भी उपस्थित थी। गगवाना से अकबर खान एवं सद्दाम खान, के साथ 6 व्यक्तियों ,सुमन पीपाड़ा ,अरिहंत बोहरा ने प्रथम बार रक्तदान किया डा राजकुमार खासगीवाल डा मीनल खासगीवाला प्रदीप नाहर पियूष पीपाड़ा अंकित कटारिया मोंटू कर्णावट प्रतिमा दोषी अंकिता नाहर नीता नाहर सुमन पीपाड़ा नीता कंकरिया सचिव राजेश जैन संदीप दोषी राजकमल चोपड़ा,आशीष लोढ़ा, अंकित लोढ़ा शरद कोठारी,मुकेश कर्णावत, अरिहंत बोहरा ,सुमित जैन, निखिल जैन ,(38 बार)अक्षय बुरड़ सुमन पीपाड़ा, अनुपम लोढ़ा प्रतीक जैन प्रीति जैन अनिल चौधरी जोन कोऑर्डिनेटर रूपश्री जैन आदि ने रक्त दान कर इस पुनीत कार्य में भाग लिया।

प्रतिभाशाली महिलाओं को मिलेगा अनूठा मंच

मार्वलस मिसेज इंडिया सीजन-2 का फिनाले 13 अक्टूबर को

उदयपुर. शाबाश इंडिया

मार्वलस मिसेज इंडिया सीजन-2 का फिनाले आगामी 13 अक्टूबर को उदयपुर में होगा। इसे लेकर जुस्ता राजपूताना रिसोर्ट में ऑडिशन और एक माह की ट्रेनिंग जारी है। इस आशय की जानकारी रविवार को पत्रकार वार्ता के दौरान सुपर मॉडल व पूर्व मिसेज वर्ल्ड डॉ.अदिति गोवित्रिकर ने साझा की। उन्होंने बताया कि हमारा मकसद हमारी सभ्यता और संस्कृति को आगे बढ़ाने का है। इस मंच के माध्यम से वे ऐसी महिलाओं को आगे लाना चाहती हैं जिनमें प्रतिभा तो खूब है लेकिन शादी के बाद वे केवल गृहणी बन कर रह गई हैं। वहीं, पूर्व मार्वलस मिसेज इंडिया ब्यूटी विथ ब्रेन होम्योपैथी डॉ.मेघा जैन ने बताया कि इस मंच पर विधवा, परित्यक्ता सहित कोई भी प्रतिभाशाली महिला भागीदार बन सकती हैं। उनके लिए उम्र कोई बाधा नहीं है। यहां आकर वह अपने अधूरे सपनों को पूरा कर सकती हैं। ग्लैमर और एक्टिंग की दुनिया का हिस्सा बनकर इज्जत-शोहरत कमा सकती हैं।

रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'

वेद ज्ञान

सद्गुणों का महत्व

परिस्थितियां कैसी भी विषम क्यों न हों, राह पर चलते जाना ही धर्म है। गुण स्वभाव का अंग हो जाते हैं तभी उन्हें गुण कहा जाता है। स्थितियों के अनुसार उन्हें अपनाना या त्याग देना सबसे बड़ा अवगुण है। शीतलता चंदन का गुण है, जो हर हाल में बना रहता है। चंदन के पेड़ पर कितने ही विषैले सांप लिपटे हों, उसकी शीतलता बनी रहती है। यदि एक वृक्ष अपने गुणों पर इस तरह दृढ़ रह सकता है, तो मनुष्य क्यों नहीं, जिसे ईश्वर ने बौद्धिक चेतना प्रदान कर उसे जीवों में विशिष्ट बना दिया है। दया, परोपकार, क्षमा, दान और साहचर्य जैसे तत्व मनुष्य की रचना में ही समाहित हैं और उन पांच तत्वों का प्रतिनिधित्व करते हैं जिनसे यह तन बना है। इनसे विरत होना अपने संरचनात्मक स्वभाव से दूर जाना है। भूमि, जल, वायु, अग्नि और क्षितिज एक साथ बने रहते हैं तो सृष्टि का अस्तित्व है और मनुष्य का भी। इनका असंतुलन यदि सृष्टि को विनाश की ओर ले जाने वाला है, तो मनुष्य को भी। जीवन में तमाम समस्याओं से सामना होता रहता है। मनुष्य का धर्म है कि सहज रहकर अपने गुणों से उनसे पार पाने की चेष्टा करे। किसी का भी जीवन कभी भी निष्कंटक नहीं रहा है। संसार में जो महापुरुष हुए हैं, उन्होंने भी असीम दुख सहे। उनके मार्ग में रोंगटे खड़े कर देने वाली बाधाएं आईं, किंतु वे अविचलित रहे तो अपने सद्गुणों के कारण। इसीलिए आज उनकी पूजा होती है। उनकी उपलब्धियों को संसार ने याद रखा है। वास्तव में सुख और दुख की अवधारणा ही दोषपूर्ण है। मनुष्य कर्मों की पूंजी एकत्र करता चले, तो वह सुख और दुख से ऊपर उठ जाता है और निर्लिप्त अवस्था प्राप्त कर लेता है। मनुष्य को उसके कर्मों के अनुसार ही फल मिलना है। हर मनुष्य को जीवन में सम्मान और प्रतिष्ठा चाहिए। माना जाता है कि अंततोगत्वा सुख इसी से मिलता है। धन, संपदा, कुल, वंश, ज्ञान पद की प्राप्ति का मनोरथ तो समाज में सम्मान और आदर पाना ही है। सद्गुणों से प्राप्त सम्मान स्थाई रहता है, किंतु ऐसा मनुष्य उस आत्मिक अवस्था को प्राप्त कर चुका होता है जहां मान व अपमान, निंदा और स्तुति उसके लिए बेमानी हो जाते हैं।

संपादकीय

डिजिटल तौर-तरीके में भी राहत नहीं

देश में गरीबी और खासकर भूख से जूझते तबकों को राहत दिलाने के लिए सार्वजनिक वितरण प्रणाली है। हालांकि इसके संचालन में अक्सर भ्रष्टाचार के मामलों के मद्देनजर व्यापक सुधार की गुंजाइश बनी रही, लेकिन नीतिगत तौर पर यह एक ऐसी व्यवस्था है, जिसके जरिए अभावग्रस्त बड़े तबके को नाममात्र की राशि या नियंत्रित मूल्यों पर अनाज मुहैया कराया जाता है। आधुनिक तकनीकी के विस्तार के दौर में सार्वजनिक

वितरण प्रणाली में भी डिजिटल तौर-तरीके अपनाए गए। अपने राज्य से पलायन करके या विस्थापित होकर देश की राजधानी में पहुंचे लोगों के लिए 'एक राष्ट्र, एक राशन कार्ड' की व्यवस्था भी लागू की गई, ताकि इसका लाभ आम लोगों को मिल सके। विडंबना है कि तकनीकी सुविधाओं से लैस होने के बावजूद अब एक नई समस्या खड़ी हो रही है, जिसकी वजह से बहुत सारे लोगों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत अपने हक का राशन उठाने में मुश्किलें पेश आ रही हैं या फिर वे इस सुविधा से वंचित रह जाते हैं। गौरतलब है कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के एकीकृत प्रबंधन यानी आइएमपीडीएस के सर्वर में तकनीकी दिक्कतों की वजह से पिछले कई महीने से उत्तर प्रदेश के राशन कार्ड धारकों को दिल्ली में अपने हिस्से का राशन लेने में कई तरह की परेशानी

हो रही थी। मगर अब बिहार के राशन कार्ड धारकों को उनके हक का राशन न मिल पाने की शिकायत सामने आई है। यों अलग-अलग राज्यों के करीब चार लाख राशन कार्डधारकों को हर महीने दिल्ली में तकनीकी दिक्कतों की वजह से राशन लेने में परेशानियों का सामना करना पड़ा है। व्यवस्थागत खामियों की वजह से बहुत सारे राशन कार्डधारक राशन लेने से वंचित रह जाते हैं, क्योंकि दिल्ली में राशन की दुकानों में अनाज खत्म हो चुका होता है। सुविधा में इजाफे और पारदर्शिता के लिए इसमें डिजिटल तंत्र को बढ़ावा दिया गया है, लेकिन हकीकत यह है कि मशीनों में कभी 'दुबारा प्रयास करें' तो कभी 'लेन-देन विफल' आदि की सूचना आती है। सवाल है कि अगर तकनीकी दिक्कतों की वजह से अभाव से जूझते लोगों के सामने समस्याएं आ रही हैं तो सार्वजनिक वितरण प्रणाली पर निर्भर रहने वालों के सामने फिलहाल और क्या विकल्प है?

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

बढ़ती निर्भरता

आज बहुत सारे कामों के लिए स्मार्टफोन और कंप्यूटरों पर निर्भरता बढ़ती गई है। मगर इसका एक पहलू यह भी है कि आज ज्यादातर लोग जिस तरह स्मार्टफोन में खोए रहते हैं, वह इसकी उपयोगिता के बरक्स एक विरोधाभासी स्थितियां पैदा कर रहा है। चिंता की बात यह है कि शहरों-महानगरों में ऐसे तमाम बच्चे हैं, जिनकी सुबह मोबाइल के स्क्रीन के साथ होती है, उनका ज्यादातर वक्त उसी के साथ कटता है। ऐसे में बच्चों की मानसिक और शारीरिक सेहत पर पड़ने वाले असर का अंदाजा लगाया जा सकता है। इस संबंध में संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन की एक रपट में भी यह साफ कहा गया है कि मोबाइल या स्मार्टफोन के नजदीक रहने से विद्यार्थियों का ध्यान भंग होता है और उससे सीखने की क्षमता पर नकारात्मक असर पड़ता है। यूनेस्को के मुताबिक, विद्यार्थी अगर निश्चित सीमा से ज्यादा स्मार्टफोन का उपयोग करते हैं तो इससे उनके शैक्षणिक प्रदर्शन में बाधा आती है। गौरतलब है कि आज बहुत सारे घरों में बच्चों को जरूरत के तर्क पर स्मार्टफोन तक आसान पहुंच तो दी गई है, लेकिन ज्यादातर बच्चों का बहुत सारा वक्त अब मोबाइल के स्क्रीन में कटता है। इससे न केवल उनकी पढ़ाई-लिखाई की सहजता और ज्ञान की ग्राह्यता बाधित हो रही है, बल्कि उनके स्वभाव में भी बदलाव दर्ज किए जा रहे हैं। कई बच्चे स्मार्टफोन का उपयोग किसी लत की तरह करते हैं और मना करने पर उनके भीतर अस्वाभाविक प्रतिक्रिया देखी गई है। इसके मानसिक प्रभावों के समांतर ही ज्यादा समय तक मोबाइल के स्क्रीन में खोए रहने से शारीरिक स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक असर पड़ता है। इसमें नींद से लेकर खानपान की आदत में बदलाव हो सकता है। मोटापा बढ़ने और शारीरिक सक्रियता में भी कमी आ सकती है, जो सेहत के अन्य पहलुओं को प्रभावित

करता है। बच्चों पर इसके गंभीर असर को देखते हुए ही दुनिया के कई देशों ने स्कूलों में स्मार्टफोन के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है। आधुनिक तकनीकों के उपयोग की सीमा वही होनी चाहिए, जिससे मनुष्य के मानसिक-शारीरिक स्वास्थ्य की गुणवत्ता बेहतर हो, न कि उसके असर से वह धीरे-धीरे छीजने लगे।

भगवान पार्श्वनाथ निर्वाण दिवस मोक्ष सप्तमी के रूप में मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। महापुण्य वर्धक वर्षायोग 2024 के अन्तर्गत वरकत नगर में पूज्य मुनि श्री अर्चित सागर जी महाराज के सान्निध्य में निर्वाण लाडू चढ़ाकर धर्मोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नित्याभिषेक शान्तिधारा के पश्चात उपस्थित समाज ने भगवान पार्श्वनाथ की पूजा की साथ ही मुनि श्री ने मोक्ष सप्तमी के महत्व पर प्रकाश डाला। वर्षायोग समिति के पुण्यार्जक एवं समिति के अध्यक्ष चक्रेश कुमार जैन ने समस्त समाज का आवाहन करते हुए कहाँ कि पुण्योदय से गुरु देव ज्ञान की गंगा लेकर हमारे द्वारे आएं हैं सभी समाज प्रतिदिन णमोकार भवन पधार कर न ज्ञानार्जन करने साथ अपने जीवन को धन्य कर सकते हैं। निर्वाण कान्ड की समाप्ति पर मुनि श्री के मंत्रोचारण से निर्वाण लाडू समर्पित किया गया ।

पौधारोपण एवं भामाशाह सम्मान समारोह

उदयपुर. शाबाश इंडिया। हरियाली फाउंडेशन की ओर से रविवार को सौ फीट रोड मीरां नगर में पौधारोपण महा अभियान का आगाज विधिक सेवा प्राधिकरण के एडीजे कुलदीप शर्मा ने पौधा रोपकर किया। संस्थापक दिलीप वैष्णव ने बताया कि समारोह में फाउंडेशन को सहयोग देने वाले भामाशाहों का सम्मान और अभिनंदन भी किया गया। इस दौरान सीआई हनुमंतराज सिंह पुरोहित ने भी पौधारोपण किया। वैष्णव ने कहा कि फाउंडेशन के पास उपलब्ध तीन एंबुलेंस से जिले की 50 किलोमीटर की परिधि में गरीब, पीड़ित या बीमार को घर-हॉस्पिटल तक पहुंचाने की निःशुल्क सेवा करते आ रहे हैं। इसी तरह, अभी तक फाउंडेशन ने शहर में करीब साढ़े तीन हजार पौधे लगाए हैं। जिनकी देखभाल भी फाउंडेशन ही करता है। समारोह में कैलाश कोठारी, राजेंद्रसिंह राठौड़, अध्यक्ष तेजपाल जगरीवाल, सचिव रोशनलाल डांगी, सह संस्थापक प्रिया व्यास, प्रियंका पालीवाल एवं परिमल भट्ट उपस्थित थे। संचालन सत्यनारायण जोशी ने किया। **रिपोर्ट/फोटो: योवंतराज माहेश्वरी**

सहस्रकूट विज्ञातीर्थ गुंसी राज. में भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक मनाया

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका रत्न 105 गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी के ससंघ सान्निध्य में श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र सहस्रकूट विज्ञातीर्थ गुंसी जिला - टोंक (राज.) में अत्यंत हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। जयपुर से पधारे हुए यात्रियों ने भगवान श्री पार्श्वनाथ का निर्वाण लाडू चढ़ाने का सौभाग्य प्राप्त किया। निवाई, चाकसू, जयपुर आदि स्थानों से आये हुए भक्तों ने निर्वाण महोत्सव में भाग लिया। भगवान श्री शांतिनाथ के देवकृत अभिषेक के पश्चात भक्तों की भीड़ प्रतिदिन क्षेत्र पर पहुंचकर दर्शन लाभ प्राप्त कर रही है। पूज्य माताजी ने सभी को धर्मोपदेश देते हुए कहा कि - भगवान की भक्ति हमारे लिए बहुत ही पुण्यवर्धक है । उनके जितने कल्याणक है उन्हें मनाकर हम अपने धर्म में वृद्धि करते हैं। हम धर्म तो करते पर उसमें श्रद्धा नहीं रखते । यदि प्रभु पर श्रद्धा हो तो अग्नि का नीर बन जाता है । नाग का हार और जहर का अमृत बन जाता है। सीता, सोमा, मैना आदि जितनी भी सतियां हुई है सभी ने प्रभु पर श्रद्धा करके उनका ध्यान करके अपने बड़े - बड़े कष्टों को दूर किया।

23 वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का मनाया 2876 वां निर्वाणोत्सव महोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक

फागी. शाबाश इंडिया

कस्बे सहित परिक्षेत्र के चकवाड़ा ,चौरू,नारेडा मंडावरी,मेंहन्दवास ,निमेडा,लसाडिया तथा लदाना के दिगम्बर जैन मंदिरों सहित फागी कस्बे के आदिनाथ मंदिर, पार्श्वनाथ मंदिर, मुनि सुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, चंद्र प्रभु नसियां, एवं चंद्रपुरी मंदिर सहित सभी जिनालयों में जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ भगवान का 2876 वां निर्वाणोत्सव महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने कार्यक्रम में शिरकत करते हुए अवगत कराया कि कार्यक्रम में फागी कस्बे में विराजमान आर्यिका सुप्रज्ञमति माताजी स संघ के पावन सानिध्य में आज कस्बे के बीचला मंदिर पार्श्वनाथ जिनालय में प्रातः श्री जी का अभिषेक, महाशांतिधारा के बाद अष्टद्रव्यों से पूजा अर्चना करने के बाद नवदेवताओं की पूजा कर सभी पूवार्चार्यों के अर्घ्य चढ़ाकर सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की गई, कार्यक्रम में सरावगी समाज के अध्यक्ष महावीर अजमेरा ने बताया कि कार्यक्रम में बोली के माध्यम कपूर चंद,पारस कुमार, कमलेश कुमार नला परिवार ने श्री जी की महाशांति धारा करने का सोभाग्य प्राप्त किया, मंदिर समिति के मंत्री कमलेश चोधरी ने बताया कि कार्यक्रम में बोली के माध्यम से सोहनलाल, महावीर प्रसाद, सत्येन्द्र कुमार झंडा परिवार ने सौधर्म इन्द्र बनने का सोभाग्य प्राप्त किया, कार्यक्रम में रामस्वरूप, शिखर चंद, राजेंद्र कुमार, जीतू,काव्य मोदी परिवार ने श्री जी के समक्ष 23 किलो का निर्वाण लाडू चढ़ाने का सोभाग्य प्राप्त किया, कार्यक्रम में समाज के त्रिलोक पीपलू ने बताया कि आर्यिका श्री ने विभिन्न मंत्रोच्चारणों के द्वारा मनीष गोधा के दिशा-निर्देश में श्री कल्याण मंदिर विधान की पूजा करवाई जिसमें करीब 51 पूज्यार्थियों ने विधान पर 44 अर्घ्य चढ़ाकर सुख समृद्धि की कामना कर धर्म लाभ प्राप्त किया, कार्यक्रम में विधान में पूजा अर्चना के बाद जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ भगवान का 23किलो का मोक्ष कल्याणक महोत्सव का सामूहिक रूप से जयकारों के साथ मंत्रोच्चारणों के द्वारा मोक्ष का प्रतीक निर्वाण लाडू चढाया गया।गोधा ने अवगत कराया कि जैन धर्म के अनुसार इस पर्व को मुकुट सप्तमी या मोक्ष सप्तमी भी कहते हैं,इस दिन कुंवारी कन्याऐं मोक्ष सप्तमी का उपवास रखती है,आज मोक्ष सप्तमी के पर्व पर जैन समाज की कुंवारी कन्याओं ने जिनालयों में विशेष पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि की कामना करते हुए उपवास रखकर धर्म लाभ प्राप्त किया।

सिद्धवर कूट में भगवान पार्श्वनाथ स्वामी का मोक्ष कल्याणक मनाया गया

सनावद. शाबाश इंडिया

दो चक्री दस काम कुमारों की सिद्ध भूमि पावन सिद्ध क्षेत्र सिद्धवर कूट में जैन धर्म के तेईसवें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ स्वामी का निर्वाण महोत्सव रविवार को धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर इंदौर, बड़वाह, सनावद, बेड़िया और खंडवा के अनेक जैन श्रद्धालुओं ने तीर्थ क्षेत्र पर पहुंचकर भगवान पार्श्वनाथ स्वामी का जलाभिषेक, शांतिधारा, भगवान पार्श्वनाथ स्वामी की विशेष पूजन तथा निर्वाणकांड भाषा के सामूहिक वाचन के साथ मोक्षगमन का प्रतीक निर्वाण लाडू चढ़ाया। सनावद के डॉ. नरेन्द्र जैन भारती, प्रियम जैन, शुभम जैन, विजय काला, संध्या जैन, वीनस जैन, प्रिया जैन, भारती जैन सहित अनेक श्रद्धालुओं ने निर्वाण लाडू चढ़ाकर सच्चे सुख की कामना की।

श्री पार्श्वनाथ भगवान का मोक्ष निर्वाण लाडू चढ़ाया गया

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। बापू नगर स्थित श्री पदम प्रभु दिगंबर जैन मंदिर में श्री पार्श्वनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाया गया। प्रकाश पाटनी ने बताया कि प्रातः सभी श्रावकों ने बारी-बारी से श्री शांतिनाथ एवं श्री पार्श्वनाथ भगवान पर अभिषेक करने के उपरांत लक्ष्मीकांत जैन, राकेश बघेरवाल ने श्री पार्श्वनाथ भगवान पर, मूलचंद सोनी एवं राजेंद्र सोगानी ने श्री शांतिनाथ भगवान पर शांतिधारा की। एवं 16 परिवारजनों की ओर से भी शांतिधारा की गई। इस उपरांत निर्वाण कांड का पाठ द्वारा सामूहिक रूप से श्री पार्श्वनाथ भगवान का मोक्ष निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। मंत्री पूनम चंद सेठीने बताया कि इस अवसर पर श्री पार्श्वनाथ भगवान की भक्ति- भाव से पूजा- अर्चना कर अर्घ समर्पण किये। बधाई गीत के साथ पुरुष-महिलाओं ने भक्ति नृत्य किया। इस अवसर पर कई धमार्लुगण उपस्थित थे ।

जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ ने बालिका आश्रम में बच्चों को नाश्ता, स्टेशनरी, कपड़े बांटे

जयपुर. शाबाश इंडिया

जेएसजीआईएफ आश्रय सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ द्वारा किये जाने वाले सामाजिक कार्यक्रमो की श्रृंखला के तहत 11 अगस्त रविवार को सुबह रानी सती नगर, पारसनाथ कॉलोनी मे स्थित आश्रय केयर होम (बालिका आश्रम) पर नाश्ता, कपडे, स्टेशनरी का वितरण किया गया। ग्रुप के अध्यक्ष सुनील सोगानी ने बताया कि ग्रुप द्वारा 4 अगस्त से सामाजिक कार्यक्रम किये जा रहे है आज के सामाजिक कार्य के पुण्याजक श्रीमती इंदुलेखा चाँदवाड परिवार था परिवार की और से सभी बालिकाओं को स्वादिस्ट नाश्ता करवाया गया। ग्रुप सचिव विशुतोष चाँदवाड ने बताया कि बालिका आश्रम मे अभी करीब 35 बालिका है इस मोके पर ग्रुप उपाध्यक्ष अजय बड़जात्या, मुनिया सोगानी, नीति चाँदवाड, प्रमोद पाटनी, अरुण बिलाला, सुनीता पाटनी, मणि बिलाला इंदुलेखा चाँदवाड, मिनित, निकिता चाँदवाड आदि अन्य सदस्य उपस्थित थे। सोमवार को शाम 5 बजे जीव दया कार्यक्रम के अंतर्गत पिकॉक गार्डन, मालवीय नगर पुलिया के पास बेजुबान पक्षियों को दाना पानी दिया जाएगा।

अक्षिता जैन स्टेट लेवल अबेकस काम्पीटीशन में रैंक फर्स्ट प्राईज अवार्ड से सम्मानित

नीमच. शाबाश इंडिया। स्थानीय टाउन हॉल में आयोजित एक गरिमामय समारोह में कुमारी अक्षिता जैन पिता आदित्य जैन को स्टेट लेवल अबेकस काम्पीटीशन में रैंक फर्स्ट प्राईज प्राप्त करने पर स्पीड चेम्पियन अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आयोजक संस्था द्वारा अक्षिता को एक्यूरेसी अवार्ड रैक-1 भी प्रदान किया गया। अबेकस संस्था द्वारा आयोजित इस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती स्वाति गौरव चोपड़ा तथा ज्ञानोदय इंटरनेशनल स्कूल की डायरेक्टर डॉ. गरिमा चौरसिया उपस्थिति रही। समारोह में क्रिएटिव माइंड स्कूल के निदेशक विकास मदनानी विशेष रूप से उपस्थित रहे। समारोह में आयोजक संस्था प्रमुख कपिल सिंहल सहित बड़ी संख्या में शिक्षकगण तथा विद्यार्थी एवं अभिभावक मौजूद रहे। इस अवसर पर अन्य प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया गया।

जन्मदिन 12 अगस्त पर विशेष

भारत के महान वैज्ञानिक विक्रम साराभाई जैन को नमन

विजय कुमार जैन राघौगढ़ म.प्र.

भारत माता के महान सपूत जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान के क्षेत्र में दुनिया में देश का नाम ऊंचा किया ऐसे विक्रम अंबालाल साराभाई जैन का 12 अगस्त 1912 को जन्म हुआ था। जन्म दिवस के अवसर पर हम उन्हें स्मरण कर रहे हैं। डॉ विक्रम साराभाई के नाम को अंतरिक्ष कार्यक्रम से अलग नहीं किया जा सकता यह बात दुनिया को पता है की वह विक्रम साराभाई ही थे, जिन्होंने अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में भारत को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाया।आपका जन्म अहमदाबाद में श्री अंबालाल साराभाई के प्रतिष्ठित जैन परिवार में हुआ था।आपकी माता जी श्रीमती सरला साराभाई थी। आपकी माता सरला साराभाई ने प्रारंभिक शिक्षा मैडम मारिया मांटेसरी की तरह शुरू हुए पारिवारिक स्कूल में दिलाई।गुजरात कॉलेज में इंटरमीडिएट तक विज्ञान की शिक्षा पूरी करने के बाद वे सन 1937 में कैंब्रिज इंग्लैंड चले गए, जहां 1940 में प्रणमाकृतिक विज्ञान में ट्रायपोज डिग्री प्राप्त की। द्वितीय विश्व युद्ध शुरू होने पर वे भारत लौट आए और बेंगलूरू स्थित भारतीय विज्ञान संस्थान में नौकरी करने लगे जहां पर वह सी. वी. रमन के निरीक्षण में कॉस्मिक रेंज पर अनुसंधान करने लगे। द्वितीय विश्वयुद्ध की समाप्ति पर वे कॉस्मिक रेज भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में अपनी डॉक्ट्रेट पूरी करने के लिए कैंब्रिज लौट गए। सन 1947 में उष्णकटिबंधीय अक्षांश

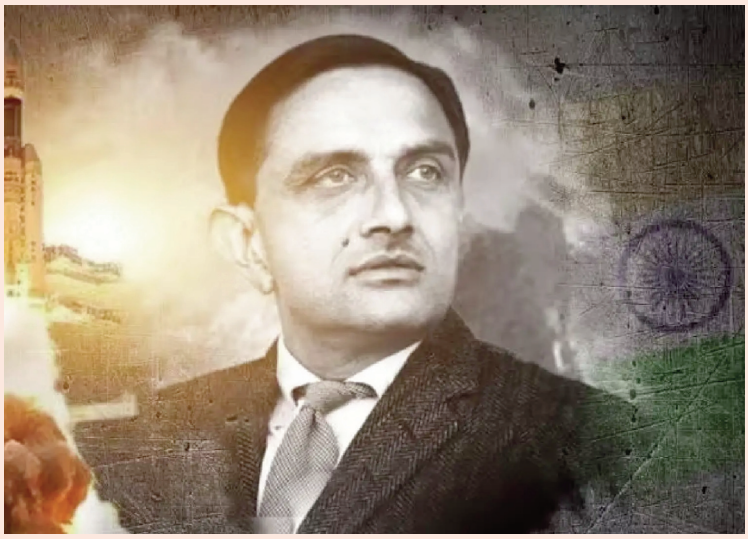

ट्रॉपीकल लैटीट्यूड्स मैं कैंब्रिज विश्वविद्यालय ने उन्हें डॉक्ट्रेट की उपाधि से सम्मानित किया गया। डॉ. विक्रम साराभाई को भारत के महान संस्थान निमार्ता माना जाता है। उनके द्वारा स्थापित लोकप्रिय संस्थानों में प्रमुख हैं भौतिकी अनुसंधान प्रयोगशाला पीआरएल अहमदाबाद, भारतीय प्रबंध संस्थान आई आई एम अहमदाबाद, सामुदायिक विज्ञान केंद्र अहमदाबाद,दर्पण अकादमी फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स अहमदाबाद, विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र तिरुअनंतपुरम, डॉ विक्रम साराभाई सांस्कृतिक गतिविधियों में भी गहरी रूचि रखते थे। वे संगीत, फोटोग्राफी, पुरातत्व, ललित कलाओं और अन्य अनेक क्षेत्रों से जुड़े रहे। डॉक्टर विक्रम साराभाई के व्यक्तित्व का सर्वाधिक उल्लेखनीय पहलू उनकी रुचि की सीमा और विस्तार तथा ऐसे तरीके थे, जिन्होंने अपने विचारों को संस्था में परिवर्तित किया।सृजनशील वैज्ञानिक, सफल और दूरदर्शी उद्योगपति, उच्च कोटि के प्रवर्तक, महान संस्थाओं के निर्माता, अलग किस्म के शिक्षाविद, कला पारखी, सामाजिक परिवर्तन के ठेकेदार, अग्रणी प्रबंध प्रशिक्षक आदि ऐसी अनेक विशेषताएं उनके व्यक्तित्व में समाहित थी। उनकी सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह थी कि वे एक ऐसे उच्च कोटि के इंसान थे जिसके मन में दूसरों के प्रति असाधारण सहानुभूति थी, जो भी उनके संपर्क में आता उनसे प्रभावित हुए बिना नहीं रहता था। धर्मपत्नी श्रीमती मृणालिनी साराभाई के साथ मिलकर उन्होंने मंच कलाओं की सांस्कृतिक संस्था दर्पण का गठन किया। उनकी बेटी मल्लिका साराभाई बड़ी होकर भरतनाट्यम और कुचिपुड़ी की प्रसिद्ध नृत्यांगना बनी। डॉक्टर होमी जे भाभा की जनवरी 1966 में मृत्यु के बाद डॉक्टर साराभाई को परमाणु ऊर्जा आयोग का अध्यक्ष बनाया गया। साराभाई ने सामाजिक और आर्थिक विकास की विभिन्न गतिविधियों के लिए अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी में छुपी हुई व्यापक क्षमताओं को पहचान लिया था। इन गतिविधियों में संचार, मौसम विज्ञान संबंधी भविष्यवाणी और प्राकृतिक संसाधनों के लिए अन्वेषण आदि सम्मिलित हैं।भारत के महान वैज्ञानिक बहुमुखी प्रतिभा के धनी डॉक्टर विक्रम साराभाई का 30 दिसंबर 1971 को कोवलम्, तिरुअनंतपुरम केरल में आसामयिक स्वर्गवास हो गया। इस महान वैज्ञानिक के सम्मान में तिरुअनंतपुर में स्थापित थुंबा एक्वेटोरियल रॉकेट लॉन्चिंग स्टेशन टी आर एल एस और संबंधी अंतरिक्ष संस्थाओं का नाम बदलकर विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र कर दिया गया। यह केंद्र एक प्रमुख भारतीय अंतरिक्ष केंद्र के रूप में उभरा है। सन 1974 में सिडनी स्थित अंतर्राष्ट्रीय खगोल विज्ञान संघ ने निर्णय लिया कि सीआफ सेरेनिटी पर स्थित बेसल नामक मून क्रेटर अब साराभाई क्रेटर के नाम से जाना जाएगा। डॉ विक्रम साराभाई को भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम का जनक माना जाता है। अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में उनके अमूल्य योगदान को भारतवासी हमेशा याद रखेंगे।उनका जीवन एवं अनुसंधान कार्य आज की युवा पीढ़ी के लिए निश्चित ही प्रेरणादायक है जन्मदिन पर हम डॉक्टर विक्रम साराभाई को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं

नोट-लेखक वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार एवं भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष हैं।

श्री पार्श्वनाथ भगवान का मोक्षकल्याणक दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया

चितौड़गढ़. शाबाश इंडिया। ढूंचा बाजार स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर जी में 1008 श्री पार्श्वनाथ भगवान का मोक्षकल्याणक दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ।सांस्कृतिक मंत्री सुजीत छाबड़ा ने बताया कि इस भव्य अवसर पर सकल दिगम्बर जैन समाज और मुनि सेवा समिति द्वारा भगवान की पूजा प्रक्षाल और शान्ति धारा की गई और निर्वाण लड्डू चढ़ाया गया। समाज के वरिष्ठ जन रोड़मल अजमेरा, महावीर पाटनी बसन्ती लाल वेद, प्रभाष गादिया,राजू वेद, दिलीप पाणोत,विजय चौधरी, मुनि सेवा समिति के अध्यक्ष पुर्णेश गोधा, महामंत्री शैलेश पाटनी, मनोज पाटनी, शुभम चौधरी, अल्पेश गदिया, निमित अजमेरा सुशील गदिया, पवन अजमेरा, पवन बज, सुनील वेद, मुकेश वेद,पंकज जैन,नितेश बेद नवीन गदिया लोकेश गदिया,मोहित जैन यश गदिया, रोहित वेद और समाज की महिला मण्डल उपस्थित रहे।

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर हीरा पथ मानसरोवर जयपुर में मोक्ष सप्तमी महोत्सव संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। 23वे तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ के मोक्ष कल्याणक महोत्सव पर श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर हीरा पथ मानसरोवर जयपुर में बड़े ही भक्ति भाव से अभिषेक शांति धारा और निर्वाण लड्डू चढाया गया । ट्रस्टी देवेन्द्र छाबड़ा ने बताया कि निर्वाण लड्डू चढ़ाने का सोभाग्य श्रीमती शकुंतला देवी, शांति कुमार, देवेन्द्र, निखिल एवं सीए तुषार छाबड़ा परिवार एवं प्रथम अभिषेक का सौभाग्य राजेन्द्र विकास दीपक सोगाणी परिवार ने प्राप्त किया। इस अवसर पर प्रकाश , राकेश , पवन , पंकज एवं नरेश और समाज के श्रेष्ठी गण उपस्थित रहे।

आस्था का केंद्र-पार्श्वनाथ मंदिर सोनियान

भगवान पार्श्वनाथ की 101 इंच ऊंची कसौटी के एक ही पत्थर से निर्मित खड़गासन प्रतिमा पार्श्वनाथ मंदिर सोनियान जयपुर

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन नगरी जयपुर के मध्य में, बड़ी चौपड़, हवामहल बाजार, ख्वास जी का रास्ता स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, जयपुर की स्थापना से ही श्रावकों का आस्था का केंद्र रहा है। यहाँ विराजित अतिशयकारी पद्मासन मूल नायक, जैन धर्म के तेईसवें तीर्थंकर श्री 1008 पार्श्वनाथ की प्रतिमा 450 वर्ष पुरानी संवत 1632 की है। मन्दिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष कमल दीवान के अनुसार इस मन्दिर के मध्य कसौटी के पत्थर की विश्व की सम्भवतः एक मात्र 101 इंच ऊँची एक ही पत्थर से निर्मित भगवान पार्श्वनाथ की खड़गासन प्रतिमा जिसके ऊपर सात फन धारी सर्प तथा दोनों और चोबीस तीर्थंकरों की प्रतिमाएँ बनी हुई है, चौबीस भगवान की यक्षीणी देवियाँ भी बनी है। यह प्रतिमा बहुत ही मनभावन आकर्षक है। इस मनमोहक प्रतिमा से भक्त जनों की आँखें ही नहीं हटती है। मन्दिर में हस्तलिखित शास्त्रों का संग्रहालय, दीवार पर जैन तीर्थ क्षेत्रों का दूरी सहित नक़्शा तथा भव्य काँच का मन्दिर भी दर्शनीय है। यहाँ विराजित पद्मावती माता व क्षेत्रपाल बाबा की भी भक्तों में खूब मान्यता है। यहाँ भगवान पार्श्वनाथ का जन्म कल्याण व मोक्ष कल्याण बड़ी ही धूम धाम व भक्ति भाव के साथ मनाया जाते है। इस दिन अभिषेक दर्शन पूजन के लिए श्रद्धालुओं का ताँता लगा रहता है।

श्री दिगंबर जैन मंदिर, पार्श्वनाथजी सोनियान, खवास जी का रास्ता जयपुर में मोक्ष सप्तमी (मुकुट सप्तमी) महोत्सव मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन मन्दिर पार्श्वनाथ जी सोनियान, जयपुर में आज दिनांक 11 अगस्त 2024 श्रावण शुकला सप्तमी को देवाधिदेव 1008 श्री पार्श्वनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक, मोक्ष सप्तमी (मुकुट सप्तमी)पर्व पुर्ण भक्तिभाव पूर्वक अतिउत्साह से मनाया गया। कमल दीवान अध्यक्ष, संजय गोधा मंत्री, ने बताया कि प्रातः 5 बजे अतिशयकारी भगवान पार्श्वनाथ के नित्याभिषेक, 108 ऋद्धीमंत्रो सहित 108 कलशो से अभिषेक, शांतिधारा, पूजा उपरांत निर्वाण लाडू चढाया, प्रातः 8.15 बजे मूलनायक वेदी मे श्री विघ्नहरण विधान पूजा, निर्वाण कांड पाठ वाचन उपरांत निर्वाण लाडू चढ़ाया। बड़ी संख्या में श्रावक श्राविकाओ ने अति उल्लास भाव से भाग लेकर मोक्ष कल्याणक पर्व मनाया।

विधानसभा अध्यक्ष ने राष्ट्रीय श्रमण पुलक सागर जी महाराज के दर्शन कर लिया आशीर्वाद

उदयपुर. शाबाश इंडिया। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी उदयपुर प्रवास पर रहे। इस दौरान देवनानी ने ऋषभदेव पहुंच कर देवदर्शन और राष्ट्रीय श्रमण पुलक सागर जी महाराज के दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी दोपहर बाद ऋषभदेव पहुंचे। यहां उन्होंने जैन मंदिर में देव दर्शन किया साथ ही देवाधिदेव भगवान ऋषभदेव की धरा पर चातुर्मासरत राष्ट्रीय श्रमण आचार्य श्री 108 पुलक सागर जी महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। आचार्य ने देवनानी ने बहुमान करते हुए पुस्तक भी भेंट की। देवनानी ने आचार्य ने धर्म और संस्कृति से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा भी की। इस अवसर पर नरेश कासलीवाल ने बताया की इस अवसर पर उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, समाजसेवी चंद्रगुप्त सिंह चौहान आदि भी उपस्थित रहे। लोकेश जैन और रवि जैन ने बताया कि देवनानी के ऋषभदेव पहुंचने पर अल्पसंख्यक वर्ग के जैन समुदाय के लोगों ने उनका बहुमान करने के बाद समुदाय के लोगों ने राजस्थान विधानसभा की दैनन्दिनी में फरवरी माह 2025 में वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी की फोटो का समावेश करने के लिए आभार प्रकट किया ' इस अवसर पर जैन समुदाय के कई गणमान्य समाजश्रेष्ठी उपस्थित थे '

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com